# SANJU

BA (HONS) HINDI

ROLLNO. - HIN/15/56

KARYALAYEE HINDI

Scanned with CamScanner

# द्रुत पत्र

द्रुत पत्र , इसे द्रुतगामी पत्र भी कहा जाता है। किसी शासकीय समाचार निर्देश या सूचना को तत्काल ध्यान के लिए भेजना हो और तार का प्रयोग न करना हो तो उसे द्रुत पत्र कहा जाता है। इसकी शब्द-रचना तार की तरह होती है , परन्तु इसे डाक से भेजा जाता है। इस पत्र को प्राप्ता तार के समान समझता है। और तार की तरह इस पर आवश्यक कार्यवाही करता है। द्रुत पत्रों में अभिवादन संबोधन तथा अधोलेख नही लिखा जाता है और पत्र की संख्या भी पत्र के माथे में ऊपर न लिखी जाकर प्रेषिती के पद और पते के नीचे तथा विषय के ऊपर लिखी जाती है।

Scanned with CamScanner

7

# तार

तार का प्रयोग अन्य स्थानों में स्थित व्यक्तियों के साथ जरूरी और आवश्यक मामलों पर शीघ्रातिशीघ्र कार्यवाही करने कराने के लिए पत्राचार में अंकित किया जाता है। सामान्य रूप से जब तत्काल प्राथमिकता अंकित पत्र या तुरन्त पत्र से काम होना संभव नहीं होता, तब तार का इस्तेमाल किया जाता है। तार की भाषा संक्षिप्त एवं स्पष्ट होनी चाहिए। भाषा की दृष्टि से तार दो प्रकार के होते हैं :-

1. शब्दबद्ध तार अथवा स्पष्टभाषी
2. बीजांक

शब्दबद्ध तार स्पष्ट भाषा में लिखे जाते हैं किन्तु जब अभिप्रेत गुप्त हो तो कूट भाषा का प्रयोग किया जाता है। ऐसे तारों को बीजांक या गूढ भाषी अथवा कूट तार कहा जाता है। ये इस प्रकार हैं :-

(1.) जीवन रक्षा
(2.) अति तत्काल
(3.) संक्रियात्मक तत्काल
(4.) तत्काल
(5.) आवश्यक

Scanned with CamScanner